चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.11.22	4	6-8

कृषि में बेरोजगारों के लिए अपार संभावनाएं : काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ, कृषि उत्पाद की वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग का बताया महत्व

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय 'एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्मिंग एन आइडिया इनटु ए न्यू बिजनेस, ए स्टेप टुवार्ड आत्मनिर्भर भारत' है।

कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं है। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते है बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। कृषि उत्पाद की वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग करके उपभोक्ता तक कम समय में पहुंचाना बहुत जरूरी है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए। विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रोफेसर एसके गोयल ने अंत में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर ने किया। इस अवसर पर व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष व ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. सुबोध अग्रवाल और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एचएयू में कार्यशाला में पहुंचने पर कुलपति प्रो. बीआर काबोज का स्वागत करते अधिकारी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.11.22	3	4-5

कृषि व्यवसाय में बेरोजगार युवकों के लिए अपार संभावनाएं : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला 'एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्मिंग एन आइडिया इन्टु ए न्यू बिजनेस, आत्मनिर्भर भारत' विषय पर रही। इसके शुभारंभ पर विवि के वाइस चांसलर प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं हैं। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.11.22	3	7-8

कृषि व्यवसाय में बेरोजगार युवकों के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का स्वागत करते अधिकारीगण

हिसार, 29 नवम्बर (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय 'एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्मिंग एन आइडिया इन-टु-ए न्यू बिजनेस, ए-स्टेप टुवार्ड आत्मनिर्भर भारत' है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं है। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते है बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों को नए कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30-11-22	3	3-5

कृषि में बेरोजगारों के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

हिसार, 29 नवंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। कार्यशाला का विषय एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्मिंग एन आइडिया इन्टु ए न्यू बिजनेस ए स्टेप टुवार्ड आत्मनिर्भर भारत है।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय से बेरोजगार युवक जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर उन्होंने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों को नए कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करते हुए अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए। कार्यशाला के विशेषज्ञ विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी।

हिसार में मंगलवार को कार्यशाला में उपस्थित कुलपति व अन्य अधिकारी। -निस

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	30.11.22	----	----

मांग | कृषि व्यवसाय में बेरोजगार युवकों के लिए अपार संभावनाएं: प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि में व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला आरम्भ

आज समाज नेटवर्क

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय इंटरप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्मिंग एन आइडिया इनटू ए न्यू बिजनेस, ए स्टेप टुवर्ड्स आत्मनिर्भर भारत है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं हैं। बेरोजगार युवा इससे जुड़कर न केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। एग्रीबिजनेस हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि उत्पाद की वैल्यू एडिशन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग करके उपभोक्ता तक कम समय में पहुंचाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा अपितु ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों को नए कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करते हुए अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए।

कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रोफेसर एस.के. गोयल ने अंत में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अनीता गिरधर ने किया। इस अवसर पर व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष व ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. सुबोध अग्रवाल और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	30.11.22	----	----

कृषि व्यवसाय में बेरोजगार युवकों के लिए अपार संभावनाएं: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला आरम्भ

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय 'एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्मिंग एन आइडिया इनटु ए न्यू बिजनेस, ए स्टेप टुवार्ड आत्मनिर्भर भारत' है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं है। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते है बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। एग्रीबिजनेस हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि उत्पाद की वैल्यु एडिशन ब्रांडिंग, पैकेजिंग करके उपभोक्ता तक कम समय में पहुंचाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा अपितु ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों को नए कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करते हुए अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए। कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रोफेसर एस.के. गोयल ने अंत में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर ने किया। इस अवसर पर व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष व ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. सुबोध अग्रवाल और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	29.11.22	----	----

आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके ग्रामीण विकास में अपना योगदान दें विद्यार्थी: कुलपति

नभ-छोर न्यूज ⏭ 29 नवंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्ममिंग एन आइडिया इनटु ए न्यू बिजनेस, ए स्टेप टुवार्ड आत्मनिर्भर भारत है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं हैं। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते हैं बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। एग्रीबिजनेस हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि उत्पाद की वैल्यु एडिशन ब्रांडिंग, पैकेजिंग करके उपभोक्ता तक कम समय में पहुंचाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा अपितु व्यक्ति ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। उन्होंने कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों को नए कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करते हुए अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए। कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर एसके गोयल ने अंत में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर ने किया। इस अवसर पर व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष व ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. सुबोध अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.11.22	----	----

हकृवि में व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा कार्यशाला आरम्भ

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का स्वागत करते अधिकारीगण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं है। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते है बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। एग्रीबिजनेस हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। उन्होंने कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करते हुए अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए। कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. सुबोध अग्रवाल और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.11.22	----	----

कृषि व्यवसाय में बेरोजगार युवकों के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय 'एग्रीप्रेन्योरशिप ट्रांसफॉर्ममिंग एन आइडिया इनटु ए न्यू बिजनेस, ए स्टेप टुवार्ड आत्मनिर्भर भारत' है। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि व्यवसाय में अपार संभावनाएं है। बेरोजगार युवक इससे जुड़कर ना केवल अन्य व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर सकते है बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर कर सकते हैं। एग्रीबिजनेस हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि उत्पाद की वैल्यु एडिशन ब्रांडिंग, पैकेजिंग करके उपभोक्ता तक कम समय में पहुंचाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा अपितु ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासित रहते हुए आधुनिक शिक्षा प्राप्त करके सामाजिक विशेषकर ग्रामीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों को नए कृषि व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के

अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करते हुए अपने गुणों में निरंतर निखार लाना चाहिए। कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. विवेक कपूर ने कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रोफेसर एस.के. गोयल ने अंत में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता गिरधर ने किया। इस अवसर पर व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष व ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. सुबोध अग्रवाल और विद्यार्थी उपस्थित रहे।